• संयोग...

इन राशियों को मिलेगा लाभ

सावन का महीना अपने अंत की ओर है। वैदिक पंचांग के अनुसार, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन इस पवित्र महीने का समापन हो जाएगा। साथ ही इस विशेष दिन पर रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा, जिसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। बता दें कि वर्ष 2024 में इस विशेष दिन पर कई वर्षों के बाद एक अद्भुत सहयोग का निर्माण हो रहा है, जिसे न केवल पूजा-पाठ के लिए बल्कि सभी राशियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बता दें कि 19 अगस्त 2024, सोमवार के दिन रक्षाबंधन पर मनाया जाएगा और इसी दिन श्रावण मास का अंतिम सोमवार व्रत ही रखा जाएगा। बता दें कि इस दौरान शनि कुंभ राशि में विराजमान रहेंगे और सूर्य सिंह राशि में रहेंगे। वहीं चंद्र भी कुंभ राशि में शनि के साथ युति करेंगे।

▶ **मेष राशि**- मेष राशि के जातकों को सावन के अंतिम सोमवार विशेष लाभ मिलेगा। इस राशि को शनि महाराज की विशेष कृपा प्राप्त होगी, जिससे आर्थिक समस्याएं दूर हो सकती हैं। साथ ही व्यापार क्षेत्र में भी लाभ के संकेत मिल रहे हैं। जो जातक निवेश की योजना पर कार्य कर रहे हैं, उन्हें भी सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके साथ आमदनी के नए स्रोत की प्राप्त हो सकते हैं।

▶ **धनु राशि**-धनु राशि के जातकों के लिए शनि चंद्र की युति सकारात्मक रहने वाली है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के संकेत मिल रहे हैं। साथ ही आर्थिक क्षेत्र में भी लाभ मिल सकता है। इस ग्रह गोचर से मन शांत रहेगा और परिवार में चल रही तनातनी भी दूर हो सकती है। इसके साथ जीवनसाथी के प्रति प्रेम बढ़ेगा और उनके साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

▶ **कुंभ राशि**-कुंभ राशि के लग्न भाव में शनि और चंद्र की युति हो रही है। ऐसे भी कुंभ राशि के जातकों के जीवन में आ रही समस्याओं में कटौती होगी और साथ ही परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस दौरान मनोकामना पूर्ति भी हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्य और व्यापार क्षेत्र में भी सफलता के योग बन रहे हैं, लेकिन इस दौरान कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में कार्य का दबाव भी बढ़ सकता है।

• रक्षाबंधन पर...

चमक उठेगी किस्मत

इस साल रक्ष बंधन का त्योहार सोमवार, 19 अगस्त को मनाया जाएगा। खास बात ये है कि इस साल रक्षा बंधन के दिन सावन का अंतिम सोमवार भी है इसलिए इस बार का रक्षा बंधन अत्यंत खास हो गया है। रक्षा बंधन के दिन राखी बांधने या बंधवाने के लिए भद्रा काल का त्याग किया जाता है। इसको लेकर मान्यता है कि इस दौरान राखी बांधने से जीवन में संकट उत्पन्न होने लगता है।

▶▶ **मेष राशि**-मेष राशि से जुड़े जातकों को रक्षा बंधन के दिन अपने भाई को लाल रंग की राखी बांधनी चाहिए। चूंकि, लाल रंग का संबंध मंगल ग्रह से है इसलिए इस रंग की राखी बांधने से मंगल ग्रह की अनुकूलता प्राप्त होगी।

▶▶ **वृषभ राशि**-वृषभ राशि से जुड़े लोगों को रक्षा बंधन के दिन नीले रंग की राखी बंधवानी चाहिए। इससे जीवन में शुभता का संचार होता है।

▶▶ **मिथुन राशि**-मिथुन राशि से जुड़ी बहनें अपने भाई को हरे रंग की राखी बांधनी चाहिए। चूंकि, मिथुन राशि पर बुध ग्रह का प्रभाव रहता है इसलिए उनके लिए यह राशि बंधवना शुभ साबित होगा।

▶▶ **कर्क राशि**-रक्षा बंधन के दिन कर्क राशि के जातकों को सफेद रंग की राखी बंधवानी चाहिए। बहनें इस दिन अपने भाई को सफेद रंग की राखी बांधे क्योंकि ऐसा करना दोनों के लिए शुभ रहेगा।

▶▶ **सिंह राशि**- इस राशि के लोगों रक्षा बंधन के दिन अपनी बहन से लाल या पीले रंग की राखी बंधवानी चाहिए। सिंह राशि पर सूर्य ग्रह का प्रभाव रहता है और सूर्य देव को ये रंग बेहद प्रिय हैं।

▶▶ **कन्या राशि**-कन्या राशि से जुड़ी बहनें रक्षा बंधन के दिन अपने भाई को हरे रंग की राखी बांधें। कन्या राशि का स्वामी ग्रह बुध है। इसलिए इस रंग की राखी बांधने के बुध देव की कृपा प्राप्त होगी।

▶▶ **तुला राशि**-रक्षा बंधन के दिन तुला राशि से संबंध रखने वाली बहनों को अपने भाई की कलाई पर गुलाबी रंग की राखी बांधनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि तुला राशि का स्वामी शुक्र है और शुक्र देव की कृपा पाने के लिए इस रंग की राखी को बांधना शुभ रहेगा।

▶▶ **वृश्चिक राशि**-जिन बहनों की राशि वृश्चिक है, उन्हें रक्षा बंधन के दिन अपने भाई को लाल या मेहरून रंग की राखी बांधनी चाहिए। मंगल देव इस राशि के स्वामी हैं इसलिए इस रंग की राखी बांधना शुभ रहेगा।

▶▶ **धनु राशि**-रक्षा बंधन के दिन धनु राशि से संबंधित बहनों को अपने भाई की कलाई पर पीले या सफेद रंग की राखी बांधनी चाहिए। धनु राशि का स्वामी भी शुक्र है और शुक्र देव को ये दो रंग बेहद प्रिय हैं।

▶▶ **मकर राशि**-रक्षा बंधन के दिन मकर राशि से संबंधित जातकों को अपनी बहन से नीले रंग की राखी बंधवानी चाहिए। चूंकि, मकर राशि पर शनि का प्रभाव रहता है। इसलिए, नीले रंग की राशि बंधवाने से शनि देव की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

▶▶ **कुंभ राशि**-चूंकि, कुंभ राशि पर भी शनि का प्रकोप रहता है। ऐसे में बहनों को चाहिए कि रक्षा बंधन के दिन अपने भाई कलाई पर नीले रंग की राखी बांधें ताकि शनि देव की कृपा प्राप्त हो सके।

▶▶ **मीन राशि**-मीन राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं। ऐसे में बहनों को चाहिए के वे रक्षा बंधन के दिन अपने भाई की कलाई पर पीले रंग की राखी बांधें। बृहस्पति देव को पील रंग अत्यंत प्रिय है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन के बाद भाद्रपद के महीने में कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का व्रत रखा जाता है। सुहागिन महिलाएं इस व्रत को अखंड सौभाग्य और अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए रखती हैं।

ज्यादातर कजरी तीज का व्रत राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश बिहार और उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है। इस बार भाद्रपद महीने में कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 21 अगस्त को शाम 5.15 से शुरू होगी...

कजरी तीज का व्रत

हिंदू धर्म में पूरे साल तीन प्रकार की तीज का व्रत रखा जाता है, जिसमें हरतालिका तीज, हरियाली तीज और कजरी तीज शामिल हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन के बाद भाद्रपद के महीने में कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का व्रत रखा जाता है। सुहागिन महिलाएं इस व्रत को अखंड सौभाग्य और अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। ज्यादातर कजरी तीज का व्रत राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश बिहार और उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है।

▶▶ **कजरी तीज व्रत तिथि और मुहूर्त** -वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार भाद्रपद महीने में कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 21 अगस्त को शाम 5.15 से शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 22 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर होगा। उदय तिथि के हिसाब से कजरी तीज का व्रत 22 अगस्त को किया जाएगा। इस दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5:50 से सुबह 7:30 के बीच रहेगा।

▶▶ **कजरी तीज व्रत पूजा सामग्री**- कजरी तीज का व्रत करने के लिए आप पीला वस्त्र, कच्चा सूत, नए वस्त्र, केला के पत्ते, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, जनेऊ, जटा नारियल, सुपारी, कलश, अक्षत या चावल, दूर्वा घास, घी, कपूर, अबीर-गुलाल, श्रीफल, चंदन, गाय का दूध, गंगाजल, दही, मिश्री, शहद, पंचामृत रखें। इसके साथ ही मां पार्वती को सुहाग का सामान अर्पित करने के लिए एक हरे रंग की साड़ी, चुनरी और सोलह शृंगार से जुड़े सुहाग के सामान में सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां, माहौर, कुमकुम, कंघी, बिछिया, मेहंदी, दर्पण और इत्र जरूर लाएं।

▶▶ **कजरी तीज व्रत की पूजा विधि**-कजरी तीज का व्रत रखने के लिए सुहागिन महिलाएं सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर साफ वस्त्र पहन लें। उसके बाद सूर्य देव को जल चढ़ाएं और मंत्रों का जाप करें। उसके बाद मंदिर की साफ-सफाई करने के बाद चौकी पर लाल या पिले रंग का वस्त्र बिछाएं। उसके बाद चौकी पर भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति स्थापित करें। इसके बाद शिवजी का अभिषेक करें। साथ ही बेलपत्र और धतूरा अर्पित करें। माता पार्वती को सोलह शृंगार की चीजें चढ़ाएं। दीपक जलाकर आरती करें और कजरी तीज की कथा का पाठ करें। रात्रि में चंद्र देव की पूजा करें और उन्हें जल का अर्घ्य दें।

▶▶ **कजरी तीज व्रत का महत्व**-धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह व्रत सबसे पहले माता पार्वती ने रखा था। उन्होंने भगवान शिव को पाने के लिए इस व्रत को रखा था। इस व्रत को करने से परिवार में आपसी प्यार और सुख समृद्धि आती है। इस व्रत को करने से कुंवारी लड़कियां को मनचाहा जीवनसाथी मिलता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में शांति बनी रहती है और संतान के जीवन में भी खुशहाली और उन्नति बनी रहती है।

कजरी तीज पर क्या करें?

▶▶ कजरी तीज पर पवित्रता के साथ सभी पूजा नियमों का पालन करें।
▶▶ शरीर और मन को पवित्र रखें।
▶▶ भोजन/पानी आदि से परहेज करें।
▶▶ इस दिन सुहागिन महिलाएं सोलह शृंगार जरूर करें।
▶▶ ज्यादा से ज्यादा पूजा-पाठ करें।
▶▶ ब्रह्मचर्य का पालन करें।
▶▶ इस दिन गर्भवती महिलाएं व्रत छोड़ सकती हैं।

कजरी तीज पर क्या न करें?

▶▶ तेज धूप से बचने के लिए, घर के अंदर रहना अच्छा विचार है।
▶▶ इस दिन सफेद और काले वस्त्रों को धारण न करें।
▶▶ महिलाएं सात्विक तामसिक चीजों से दूर रहें।
▶▶ इस शुभ दिन पर किसी से बहस या अपमान न करें।
▶▶ इस दिन पति से झगड़ा और कलह-क्लेश करने से बचें।
▶▶ व्रती महिलाएं इस दिन झाड़ू लगाने से बचें, क्योंकि इससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।

■ पं. कुलदीप शास्त्री

• राखी की...

थाली

रक्षा बंधन, जिसे राखी के नाम से भी जाना जाता है यह एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है, जिसका भारत में बहुत अधिक महत्व है। यह पर्व भाई-बहन के बीच के अटूट प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन शब्द का अर्थ है - सुरक्षा का बंधन। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बहनें इस दिन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और बदले में भाई अपनी बहन की रक्षा करने की कसमें खाते हैं। रक्षाबंधन की थाली में रोली, अक्षत, हल्दी, नारियल, राखी, दीपक, मावा से बनी मिठाई या फिर खीर आदि चीजों को शामिल करें। ऐसा कहा जाता है कि इनके बिना पूजा अधूरी होती है। साथ ही इन सभी चीजों का थाली में होना आवश्यक होता है, क्योंकि यह पूजा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है ऐसा माना जाता है कि ये चीजें समृद्धि और शुभता का प्रतीक है, जिसे शामिल करने से भाई के जीवन में सौभाग्य और खुशहाली आती है।

• केसर...

धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ के दौरान तिलक लगाने के लिए केसर का प्रयोग किया जाता है। हिंदू धर्म में केसर को शुद्धता का प्रतीक माना गया है। इसलिए, रक्षा बंधन के दिन भाई के माथे पर केसर का तिलक लगाना शुभ रहेगा। माना जाता है कि केसर का तिलक लगाने से सुख-शांति और समृद्धि आती है। इसके अलावा केसर का संबंध गुरु ग्रह से भी है। ऐसे में केसर का तिलक लगाने से बृहस्पति देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।